

(b) how many tonnes of wheat have been procured so far by Governmental agencies and at what price ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHAB SHINDE) : (a) Firm estimates of production of cereals for 1972-73 would become available only at the close of the agricultural year i.e., some time in July-August, 1973. The over-all production of foodgrains during 1972-73 May, however, be lower than that of 1971-72.

(b) About 3.08 lakh tonnes of wheat has been reported to have been procured by all governmental agencies till 28th April, 1973. The procurement prices of different varieties abroad:—

Variety	(Rs. per quintal)
(i) Indigenous red	71 to 74
(ii) Indigenous common white and different Mexican varieties	76
(iii) Specified superior variety	82

भारतीय संस्कृति का प्रचार

163. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या शिक्षा समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश में और विदेशों में भारतीय संस्कृति और परम्परा के प्रचार के लिये क्या कदम उठाये गये हैं अथवा उठाये जा रहे हैं ?

- PROPAGATION OF INDIAN CULTURE

163. SHRI J. P. YADAV : Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state the steps taken or are proposed to be taken for the propagation of the Indian culture and traditions in this country and abroad ?]

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उपमन्त्री (श्री डी० पी० यादव) :
विवरण संलग्न है।

[] English translation.

विवरण

भारत और विदेशों में, भारतीय संस्कृति और परम्पराओं के प्रचार के लिए, सरकार द्वारा उठाए गए अथवा उठाए जाने वाले कदमों में से कुछ महत्वपूर्ण कदम इस प्रकार हैं :

(i) भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित तथा उसका प्रसार करने के लिए तीन राष्ट्रीय अकादमियाँ अर्थात् संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी और ललित कला अकादमी स्थापित की गई है।

(ii) भवन तथा सभा कक्ष आदि के निर्माण के लिए विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों को जो इसके पात्र हैं तथा प्रदर्शन मंडलियों/दलों को, नृत्य, नाटक तथा थियेटर के क्षेत्र में, विकास कार्यक्रमों तथा उनकी उपजीविका के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।

(iii) "कालेजों तथा स्कूलों के छात्रों में संस्कृति के प्रचार" की योजना के अधीन, देश के विभिन्न भागों से लिए गए अध्यापकों को, भारतीय कला और संस्कृति के अनेक पहलुओं पर पुनश्चर्चा पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रकार के अध्यापक उनके बदले में अपने अधीन छात्रों को प्रशिक्षण देते हैं। किटों के, जिनमें प्रोजेक्टर, स्लाइडें, प्रिंट फोटो चित्रों के एलबम, मूर्तियाँ, वास्तुकला, भारतीय शास्त्रीय तथा लोक संगीत नृत्य तथा थियेटर के डिस्क/टैप आदि होते हैं, इन कालेजों और स्कूलों को मुहैया किए जाएंगे।

(iv) व्याख्यानो, सेमिनारों, फिल्मों का आयोजन करने तथा जीवन संस्कृति सामाजिक आर्थिक विकास आदि के बारे में छात्रों और अध्यापकों को हमारी मिश्रित संस्कृति और सभ्यता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के लिए व्यवस्था करने हेतु विश्वविद्यालयों और कालेजों में राष्ट्रीय एकता समितियाँ स्थापित की जाएंगी।

(v) जिला मुख्यालयों में स्थापित किए जाने वाले नेहरू युवक केन्द्रों का मूल उद्देश्य है, वैज्ञानिक अधिवृत्ति के विकास पर जोर

देने हुए युवकों के सभी वर्गों के लिए स्कूल के बाहर शिक्षा का आयोजन करना सामूहिक गायन तथा थियेटर सहित तथा अवकाश के समय को रचनात्मक कार्यों में लगाने के अवसर प्रदान करने प्रदर्शन कलाओं में भाग लेने के जरिए, रचनात्मक कार्यलयों के लिये सुविधाओं की व्यवस्था करना।

(vi) देश में सांस्कृतिक मूल्यों को बाढ़ावा देने के लिए, दिल्ली में एक सांस्कृतिक भवन स्थापित करने का विचार है।

(vii) प्रदर्शन, रूपकर तथा साहित्यिक कलाओं के क्षेत्रों में संस्थाएं स्थापित करने का प्रश्न सरकार के विचाराधीन है।

(viii) देश में भावात्मक तथा सांस्कृतिक एकता को प्रोत्साहित करने के लिए अन्तर राज्य सांस्कृतिक मण्डलियों के विनियम की योजना भी शुरू करने का विचार है।

(ix) भारत सरकार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् सद्भावना तथा अभिभाषण दोनों आदि पर भारतीय अध्ययताओं, कलाकारों सुविज्ञों विशेषज्ञों तथा नृत्य और संगीत मण्डलियों को विदेशों की भेजता है। प्रदर्शन कलाओं, रूपकर कलाओं, रचनात्मक कलाओं, पुस्तकों और हस्तशिल्पों के क्षेत्रों में विदेशों को प्रदर्शनियां भेजी जा रही हैं।

(x) भारतीय सांस्कृतिक सम्पर्क परिषद् भारतीय जीवन और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं की विदेशों में बेहतर जानकारी उपलब्ध कराने की दृष्टि से पुस्तकों और पत्रिकाओं का विदेशी भावनाओं में प्रकाशन करती हैं।

(xi) विदेश अध्ययताओं को और अध्ययन करने और भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण के लिए अनुसंधान अनुदान और छात्र-वृत्तियां प्रदान की जाती हैं।

(xii) मुवा (फीजी), जार्जटाऊन (रियाणा) और सेन-फ्रांसिस्को (स० स० अ०) में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों ने पहले से ही कार्य करना आरम्भ

कर दिया है। इसी प्रकार के केन्द्रों को वर्ष 1973-74 में थाईलैण्ड, सुमिनम और पेर में स्थापित करने का प्रस्ताव है।

(xiii) ईरान, त्रिनिदाद, रुमानिया, मिगापुर, पोलैण्ड लाओस, थाईलैण्ड और वियाना में भारतीय, अध्ययन पीठ (संस्थाएं) स्थापित की गई हैं। यूगोस्लाविया और बुल्गारिया के लिए प्रोफेसर्स का चयन भी हो चुका है। मिस्र, दक्षिण कोरिया, ईराक, बंगला देश और जर्मन जनवादी गणतंत्र में भी 1973-74 में अध्ययन-पीठ स्थापित करने का प्रस्ताव है।

(xiv) भारतीय सांस्कृतिक सम्पर्क परिषद् ने इन्डोनेशिया और लेबनान में भारतीय अध्ययन केन्द्रों को स्थापना की है। अफगानिस्तान, मेक्सिको और सेनेगल के लिए प्रोफेसर्स का भी चयन हो चुका है। ब्राजील, सोवियत रूस और अर्जेंटीना में वर्ष 1973-74 में केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।

(xv) विदेशों में भारतीय दूतावास भारत की पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए पुस्तकालयों और अध्ययन कक्षाओं तथा फिल्म टेप और ग्रामोफोन रिकार्डों को पुस्तकालयों का अनुरक्षण करते हैं। इनके द्वारा ये स्थानीय स्कूलों, कालजों तथा अन्य संस्थाओं को उधार दी जाती हैं। दूतावास फिल्म शो का आयोजन भी करते हैं।

(xvi) स्थानीय संस्थाओं के प्रस्तुतीकरण के लिए अथवा दूतावासों और स्थानीय संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए विदेशों में भारतीय दूतावासों को पुस्तकें संगीतात्मक उपकरण, कलात्मक पुस्तकालयों, बच्चों की चित्रकलाओं सहित चित्रकलाएं, प्रादेशिक वेषभूषा में भारतीय गुड़िया, हस्तशिल्प, फिल्में तथा भारतीय संगीत के टेप्स और ग्रामोफोन रिकार्ड, चित्र आदि सप्लाई किए जाते हैं।

(xvii) भारत के दौरे पर आने वाले बहुधा विदेशी पत्रकारों और टी० वी० दलों और फोटोग्राफरों को राजकीय अतिथियों के रूप

में समझा जाता है और उन्हें स्थानीय अधिव्य-
संस्कार प्रदान किया जाता है। इस प्रकार से
विदेशों में भारत का सजीव चित्र प्रस्तुत करने
में उनकी सहायता की जाती है।

(xviii) पर्यटन विभाग का समुद्रवार प्रसार
कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य हमारी सांस्कृतिक
विरासत-शास्त्रीय तथा लोक नृत्य, ऐतिहासिक
स्मारकों, मन्दिरों, कलाओं और शिल्पों पर
केन्द्रित अवकाश वाले दिन गन्तव्य (स्थान)
के रूप में विदेशों में भारत के सजीव चित्रण
को प्रस्तुत करने का उद्देश्य है।

(xix) पर्यटन विभाग द्वारा प्रायोजित ध्वनि
तथा लाइट शो भी सांस्कृतिक इतिहास के
पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF EDUCATION AND SO-
CIAL WELFARE AND IN THE DE-
PARTMENT OF CULTURE (SHRI D. P.
YADAV): A statement is attached.

i STATEMENT

The following are some of the important
steps taken or are proposed to be taken by the
Government for the propagation of the Indian
culture and traditions in India and abroad :

(i) Three National Akademies viz.,
Sangeet Natak Akademi, Sahitya Akademi
and Lalit Kala Akademi have been set up to
encourage and promote Indian culture.

(ii) Financial assistance is given U',
various eligible cultural organisations for
the construction of buildings, auditorium
etc. and to the performing troupes' i
groups in the field of dance-drama and
theatre for their sustenance and develop- !
ment activities

j

(Hit) Under the Scheme of •Propawi-tion
of Cultuie among college and school
students' teachers drawn from colleges and
schools in various parts of the

†[J English translation.

country are given refresher courses on
many aspects of Indian art and culture.
Such teachers in turn impart training to the
studenti under their charge.

Kits containing a projector, slides,
photographs, albums of paintings, scul-
tures, architecture etc., disc /tapes of Indian
classical and folk music, dance and theatre
etc. will be supplied to such colleges and
schools.

(iv) National Integration Samitis will be
set up in universities and colleges to
organise lectures, seminars, film shown and
provide information regarding life, culture,
socioeconomic development etc. to
students and teachers to familiarise them
with the diverse perspectives of our-
composite culture and civilisation.

(v) Nehru Yuvak Kendras, proposed to
be set up at district headquarters, are pri-
marily designed to organise out of school
education for all sections of youth with
emphasis on development of scientific
attitude; provide facilities for creative
activities through participation in per-
forming arts, including community singing
and theatre and opportunities for
constructive use of leisure time and youth
participation in community work etc.

(vi) A Cultural Complex for the pro-
motion of cultural values in the country is
proposed to be set up in Delhi.

(vii) The establishment of institutions in
the fields of performing, plastic and literary
arts is under consideration of the
Government.

(viii) A scheme of Inter-State exchange
of Cultural Troupes for the promotion of
emotional and cultural integration in the
country is proposed to be launched.

(ix) The Government of India and the
Indian Council for Cultural Relations have
been sending Indian scholars, artists,
experts specialists and dance and music
troupes to foreign countries on goodwill-
cum-lecture tours etc.

Exhibitions in the fields of performing arts, plastic arts, creative arts, books and handicrafts are being sent abroad.

(x) Indian Council for Cultural Relations undertakes publication of books and journals in foreign languages with a view to making the various aspects of Indian life and culture better known abroad

(xi) Foreign scholars are awarded research grants and Scholarships for further studies and training in different aspects of Indian culture.

(xii) Indian Cultural Centres have already started functioning in Suva (Fiji) Georgetown (Guyana) and San Francisco (USA). During 1973-74, similar Centres are proposed to be set up in Thailand, Surinam and Peru.

(xiii) Chairs of Indian studies have been established in Iran, Trinidad, Rumania, Singapore, Poland, Laos, Thailand and Guyana. Selections have also been made of Professors for Yugoslavia and Bulgaria. Chairs are also proposed to be established in Egypt, South Korea, Iraq, Bangladesh and German Democratic Republic in 1973-74.

(xiv) Indian Council for Cultural Relations has set up Centres of Indian Studies at Indonesia and Lebanon. Professors have also been selected for Afghanistan, Mexico and Senegal. Centres at Brazil, U.S.S.R. and Argentina are proposed to be established in 1973-74.

(xv) Indian Missions abroad maintain libraries and reading rooms for books and periodicals on India; libraries of films, tapes and gramophone records. These are loaned out by them to the local schools, colleges and other institutions. The Missions also hold film shows.

(xvi) Books, musical instruments, art reproductions, paintings, including children's paintings, Indian dolls in regional costumes, handicrafts, films, tapes and gramophone records of Indian music, photographs etc. are supplied to Indian

Missions abroad for presentation to local institutions or for participation in exhibitions organised by the Missions and the local organisations.

(xvii) Most of the foreign journalists, TV teams and photographers on their visit to India are treated as Government guests and are given local hospitality. They are also assisted in the presentation of India's image abroad.

(xviii) The Department of Tourism has an overseas publicity programme which aims at projecting India's image abroad as a holiday destination with a focus on our cultural heritage—classical and folk dances, historical monuments, temples, arts and crafts.

(xix) The Sound and Light shows sponsored by the Department of Tourism also recreate aspects of cultural history.]

परिवार नियोजन कार्यक्रमों का पुनर्मूल्यांकन

164. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या परिवार नियोजन कार्यक्रमों में सुधार लाने के लिये अब तक कोई पुनरीक्षण किया गया है अथवा किये जाने का विचार है ?

REVALUATION OF FAMILY PLANNING

164. SHRI I. P. YADAV: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state whether any review has been made so far or is proposed to be made in order to bring about improvement in the Family Planning Programmes?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री ए० के० किस्कू) : जी हाँ । परिवार नियोजन कार्यक्रम की कार्य प्रणाली में सुधार करने के लिये समय-समय पर इसका पुनरीक्षण किया जा रहा है ।

[] English translation.